>

Title: Need to set up a Kendriya Vidyalaya in Sabarkantha Parliamentary Constituency of Gujarat.

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण (साबरकांठा): सभापति महोदय, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। हम सभी जानते हैं कि शिक्षा विकास की धरोहर है। बिना शिक्षा के विकास संभव नहीं होता है और 21वीं सदी जो विज्ञान एवं टैक्नोलोजी की सदी है, इसमें शिक्षा का महत्व और बढ़ गया है। शिक्षा के महत्व को समझते हुए हर माता-पिता अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देना चाहते हैं, फिर चाहे उसके लिए उन्हें कर्ज ही क्यों न लेना पड़े। अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए तथा उन्हें शिक्षित करने के लिए सभी माता-पिता तमाम कष्ट झेलकर उन्हें अच्छी शिक्षा प्रदान करने का प्रयत्न करते हैं।

महोदय, मेरा ससंदीय क्षेत्र सांबरकांठा एक आदिवासी, दलित एवं आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों का क्षेत्र है। हमारे यहां शिक्षा की सुविधाएं पर्याप्त नहीं होने के कारण हमारे क्षेत्र का विकास नहीं हो रहा है। 25 लाख की आबादी वाले क्षेत्र में सीबीएसई पाठ्यक्रम वाला एक ही केन्द्रीय विद्यालय हिम्मतनगर में स्थापित किया गया है। इस केन्द्रीय विद्यालय में सीबीएसई का पाठ्यक्रम होने से लोग अपने बच्चों को इस विद्यालय में प्रवेश हेतु आते हैं। लेकिन इसमें ज्यादातर केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के बच्चों को प्राथमिकता मिलती है और हमारे क्षेत्र के मूल निवासियों के बच्चे प्रवेश से वंचित रह जाते हैं। लोग हमारे पास एक सांसद के रूप में प्रवेश कोटा के तहत अपने बच्चों के एडमिशन हेतु आते हैं। हमारी मर्यादा छः एडमिशन की है, जबकि मांग करने वालों की संख्या डेढ़ सौ के आसपास होती है। हम सभी बच्चों को न्याय नहीं दे सकते और प्रवेश न मिलने पर लोग हमसे नाराज हो जाते हैं। हमारे क्षेत्र में दूसरा कोई सीबीएसई पाठ्यक्रम वाला विद्यालय नहीं है। अब हमारे संसदीय क्षेत्र साबरकांठा को दो जिलों में विभाजित किया गया है।

MR. CHAIRMAN : You want a CBSE school. You put it directly. In the 'Zero Hour', you have to be specific.

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण : सर, मेरे जिले का अरवाली जिला तथा साबरकांठा जिला के रूप में विभाजन हुआ है। महोदय, हम मांग करते हैं कि क्लास रूमों की संख्या एवं प्रवेश के लिए निर्धारित छात्रों की संख्या को बढ़ाया जाए। ...(व्यवधान)